पाठ्यक्रम विवरण एवं अंक विभाजन

सेमेस्टर	प्रश्न पत्र	विषय/प्रश्न पत्र का नाम	अंक विभाजन		
			सेमेस्टर परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	पूर्णांक
प्रथम	1	भारतीय ज्ञानमीमांसा	80	20	100
	2	पाश्चात्य ज्ञानमीमांसा	80	20	100
	3	तर्कशास्त्र	80	20	100
	4	भारतीय नीतिशास्त्र	80	20	100
				योग	400

सेमेस्टर	प्रश्न पत्र	विषय/प्रश्न पत्र का नाम	अंक विभाजन		
			सेमेस्टर परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	पूर्णांक
द्वितीय	1	भारतीय तत्वमीमांसा	80	20	100
	2	पाश्चात्य तत्वमीमांसा	80	20	100
	3	धर्मदर्शन	80	20	100
	4	पाश्चात्य नीतिशास्त्र	80	20	100
				योग	400

सेमेस्टर	प्रश्न पत्र	विषय/प्रश्न पत्र का नाम	अंक विभाजन		
			सेमेस्टर परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	पूर्णांक
तृतीय	1	समकालीन पाश्चात्य दर्शन (अ)	80	20	100
	2	आधुनिक भारतीय दर्शन (अ)	80	20	100
	3	सामाजिक, राजनैतिक दर्शन	80	20	100
	4	पातंजल योग दर्शन 'या' स्वामी विवेकानन्द दर्शन	80	20	100
				योग	400

सेमेस्टर	प्रश्न पत्र	विषय/प्रश्न पत्र का नाम	अंक विभाजन		
			सेमेस्टर परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	पूर्णांक
चतुर्थ	1	समकालीन पाश्चात्य दर्शन (ब)	80	20	100
	2	आधुनिक भारतीय दर्शन (ब)	80	20	100
	3	शंकर अद्वैत वेदांत	80	20	100
	4	तुलनात्मक धर्म दर्शन 'या' गाँधी दर्शन	80	20	100
				योग	400
			कुल योग		**1600**

सेमेस्टर–I
प्रश्न पत्र–I
भारतीय ज्ञानमीमांसा

इकाई– I अ) ज्ञान का अर्थ एवं स्वरूप
ब) ज्ञान का वर्गीकरण– प्रमा एवं अप्रमा
स) ख्यातिवाद– आत्मख्याति, असत् ख्याति, अन्यथाख्याति, अख्याति, और अनिर्वचनीय ख्याति।

इकाई– II अ) प्रामाण्य का अर्थ एवं स्वरूप,
ब) प्रामाण्य के प्रकार– स्वतः प्रामाण्य और परतः प्रामाण्य,
स) प्रमाण का अर्थ एवं भेद एवं प्रमाण व्यवस्था,
द) चार्वाक का प्रत्यक्ष प्रमाण।

इकाई– III अ) जैन दर्शन का रहस्यवाद एवं सप्त भंगी नय,
ब) बौद्ध दर्शन का अपोहवाद,
स) न्यायमीमांसा के अनुसार प्रत्यक्ष विचार।

इकाई– IV अ) अनुमान का स्वरूप एवं प्रकार,
ब) व्याप्ति एवं व्याप्ति ग्रहण के उपाय,
स) उपमान।

इकाई– V अ) शब्द प्रमाण का स्वरूप,
ब) अर्थाप्ति,
स) अनुपलब्धि।

संदर्भ एवं अनुशंसित ग्रंथः–

1. हरिशंकर उपाध्याय – ज्ञानमीमांसा के मूल प्रश्न
2. संगमलाल – ज्ञानमीमांशा के गूढ़ मूल
3. चन्द्रधर शर्मा – भारतीय दर्शन का अनुशीलन
4. बद्रीनाथ सिंह – प्रमाणमीमांसा
5. केदारनाथ – भारतीय तर्कशास्त्र
6. D.M. Datta – The Six Way of Knowing

सेमेस्टर–I
प्रश्न पत्र–II
पाश्चात्य ज्ञानमीमांसा

इकाई– I
अ) विश्वास एवं ज्ञान,
ब) प्रत्यय का स्वरूप/प्रत्ययात्मक ज्ञान (प्लेटो),
स) द्वन्द्वात्मक पद्धति (प्लेटो),
द) सुकरातीय पद्धति।

इकाई– II
अ) ज्ञान के स्त्रोत,
ब) कार्टिजियन पद्धति,
स) ज्ञान की कसौटी,
द) जन्मजात प्रत्यय का स्वरूप (आधुनिक युग बुद्धिवाद)।

इकाई– III
अ) प्रत्यक्ष–प्राथमिक एवं गौण, गुण,
ब) जन्मजात प्रत्ययों का खण्डन,
स) लॉक के दर्शन मेंाान की सीमाएँ। (आधुनिक युग–अनुभववाद)

इकाई– IV
अ) अन्तर्ज्ञान का स्वरूप,
ब) बुद्धि की कोटियाँ,
स) निर्णयों के प्रकार,
द) संश्लेषणात्मक प्रागनुभविक निर्णयों की संभावना (काण्ट)।

इकाई– V सत्य के सिद्धांत–
अ) स्वतः प्रामाण्यवाद,
ब) अनुकूलतावाद,
स) सामंजस्यवादी सिद्धांत,
द) अर्थक्रियावादी सिद्धांत।

संदर्भ ग्रंथः–

1. केदारनाथ तिवारी – तत्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा
2. अशोक वर्मा – तत्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा
3. चन्द्रधर शर्मा – पाश्चात्य दर्शन
4. याकुब मसीह – पाश्चात्य
5. केदारनाथ – भारतीय तर्कशास्त्र
6. जे.एस. श्रीवास्तव – आधुनिक दर्शन का वैज्ञानिक इतिहास

सेमेस्टर–I
प्रश्न पत्र–III
तर्कशास्त्र

इकाई– I अ) तर्कशास्त्र की परिभाषा एवं स्वरूप
ब) युक्ति का स्वरूप,
स) निगमन और आगमन,
द) सत्यता एवं वैधता।

इकाई– II तर्क दोष – अनाकारिक तर्क दोष,
अ) प्रासंगिकता संबंधी तर्क दोष,
ब) संदिगधार्थक तर्क दोष,
स) तर्क वाक्य के स्वरूप,

इकाई– III अ) निरपेक्ष न्यायवाक्य
ब) निरपेक्ष न्याय वाक्य के मानक आकार,
स) न्याय वाक्य की वैद्यता के नियम।

इकाई– IV अ) व्याख्या– वैज्ञानिक–अवैज्ञानिक
ब) विज्ञान और प्राक्कल्पना,
स) विचार के नियम।

इकाई– V प्रतीकात्मक तर्क शास्त्र का विकास,
अ) सरल एवं मिश्र कथन,
ब) संयोजक, वियाजक,
स) निषेधक अपादन,
द) प्रतीकात्मक तर्कशास़्त्र का महत्व।

संदर्भ ग्रंथः–

1. अविनाश तिवारी – तर्कशास्त्र का परिचय
2. अविनाश तिवारी – प्रतिकात्मक तर्कशास्त्र
3. केदारनाथ – तर्कशास्त्र परिचय
4. राज्य श्री अग्रवाल – तर्कशास्त्र
5. Copi I.M – An Introduction to logic

सेमेस्टर–I
प्रश्न पत्र–IV
तर्कशास्त्र

इकाई– I भारतीय नीति शास्त्र का अर्थ एवं स्वरूप, विशेषताएं एवं पूर्व मान्यताएं।

इकाई– II अ) ऋत, ऋण एवं यज्ञ की अवधारणा एवं साधारण धर्म,
ब) वर्णाश्रम धर्म, पुरूषार्थ,
स) कर्म का सिद्धांत।

इकाई– III अ) भवगद्गीता– निष्काम कर्मयोग, सर्वधर्म, लोक संग्रह,
ब) चार्वाक के नैतिक विचार,
स) जैन परम्परा में त्रिरत्न– दर्शन, ज्ञान और चरित्र

इकाई– IV अ) बौद्ध दर्शन के अष्टांगिक मार्ग एवं योगदर्शन के यम–नियम,
ब) मीमांसा के अनुसार–धर्म–विधि, निषध एवं अपूर्व–सिद्धांत,
स) न्याय –वैशेषिक का अदृष्ट–विचार।

इकाई– V अ) अद्वैत वेदांत– साधन चतुष्टय,
ब) गांधीजी– नैतिक विचार– एकादशव्रत
स) विनोबा– भूदान एवं वैश्विक नैतिकता।

संदर्भ एवं अनुशंसित ग्रंथः–

1. बी.एल. आत्रेय – भारतीय नीतिशास्त्र का इतिहास
2. शांति जोशी – नीतिशास्त्र
3. एच.एन. मिश्र – नीतिशास्त्र की भूमिका
4. अशोक वर्मा – नीतिशास्त्र की रूपरेखा
5. लक्ष्मी सक्सेना – नीतिशास्त्र के मूल सिद्धांत
6. दिवाकर पाठक – भारतीय नीतिशास्त्र
7. तिलक – गीता रहस्य

सेमेस्टर–II
प्रश्न पत्र–I
भारतीय तत्वमीमांसा

इकाई– I अ) वैदिक दर्शन का बहुदेववाद,
ब) औपनिषद परम्परा में ब्रम्ह विचार,
स) गीता के तत्व विचार– क्षर, अक्षर, पुरूषोत्तम
द) चार्वाक दर्शन का भौतिकवाद।

इकाई– II अ) जैनमत में जीव–अजीव
ब) जैनमत में– बंधन और मोक्ष विचार
स) बौद्ध दर्शन के अनात्मवादी विचार और,
द) निर्वाण संबंधी विचार।

इकाई– III अ) सांख्य का सत्कार्यवाद
ब) सांख्य के प्रकृति एवं पुरूष्ज्ञ संबंधी विचार,
स) सांख्य का विकासवाद
द) पातंजल दर्शन के ईश्वरवाद।

इकाई– IV अ) वैशेषिक दर्शन में पदार्थ के स्वरूप एवं प्रकार,
ब) द्रव्य, गुण एवं कर्म विचार,
स) सामान्य, विशेष, सामवाद और आभाव विचार।

इकाई– V अ) शांकर–वेदांत में ब्रम्ह विचार,
ब) शंकर–वेदांत में माया विचार
स) शांकर–वेदांत में मोक्ष विचार,
द) रामानुज द्वारा शंकर के मायावाद का खण्डन

संदर्भ एवं अनुशंसित ग्रंथः–

1. सी.डी. शर्मा – भारतीय दर्शन
2. न.कि. देषराज – भारतीय दर्शन
3. बी.एन. सिंह – भादतीय दर्शन की रूपरेखा
4. अर्जुन मिश्र – दर्शन की धाराएँ
5. विजयश्री एवं भंडारी – भारतीय दार्शनिक चिंतन भाग–2

सेमेस्टर–II
प्रश्न पत्र–II
पाश्चात्य तत्वमीमांसा

इकाई– I
अ) तत्वमीमांसा का स्वरूप एवं क्षेत्र
ब) तत्वमीमांसा एवं धर्म,
स) तत्वमीमांसा एवं विज्ञान।

इकाई– II
अ) प्रत्यय का स्वरूप (प्लेटो),
ब) कारण के प्रकार (अरस्तु),
स) द्रव्य के आकार (अरस्तु),

इकाई– III
अ) द्वैतवाद (देकार्त),
ब) बहुतत्ववाद (लाइवनिज्म),
स) शरीर– मन संबंध
(क्रिया–प्रतिक्रियावाद, समानान्तरवाद, पूर्व स्थापित सामंजस्य का सिद्धांत)।

इकाई– IV
अ) आत्मगत प्रत्तयवाद (बर्कले),
ब) अज्ञेयवाद देश–काल (काण्ट),
स) वस्तुनिष्ठ प्रत्ययवाद (हीगल),
द) भातिकवाद–सामान्य परिचय।

इकाई– V
अ) गतिरहित गतिदाता के रूप में ईश्वर (अरस्तू),
ब) निमित्तकरण के रूप ईश्वर (देकार्त),
स) द्रव्य के रूप में ईश्वर (स्पिनोजा)

संदर्भ एवं अनुशंसित ग्रंथः–

1. यकुब मसीह – पाश्चात्य दर्शन का समीक्षात्मक इतिहास
2. सी.डी. शर्मा – पाश्चात्य दर्शन
3. जे.एस. श्रीवास्तव – ग्रीक एवं मध्ययुगीन दर्शन का वैज्ञानिक इतिहास
4. जे.एस. श्रीवास्वत – आधुनिक दर्शन का वैज्ञानिक इतिहास
5. ब्रम्ह स्वरूप अग्रवाल – पाश्चात्य दर्शन

सेमेस्टर–II
प्रश्न पत्र–III
धर्मदर्शन

इकाई– I
- अ) धर्म स्वरूप एवं उपयोगिता,
- ब) धर्म का विज्ञान और दर्शन से संबंध,
- स) धर्म की उत्पत्ति के सिद्धांत।

इकाई– II
- अ) धर्म दर्शन का स्वरूप एवं क्षेत्र,
- ब) ईश्वर का स्वरूप,
- स) ईश्वर की अस्तित्व के प्रमाण।

इकाई– III धार्मिक दर्शन के प्रकार
- अ) ईश्वरवाद,
- ब) सर्वेश्वरवाद,
- स) निमित्तेश्वरवाद
- द) निरीश्वरवाद।

इकाई– IV
- अ) धर्मिक अनुभव का स्वरूप,
- ब) रहस्यवाद,
- स) धर्मिक चेतना,
- द) अशुभ की समस्या।

इकाई– V
- अ) धर्मिक सहष्णुता,
- ब) धर्म निरपेक्षता,
- स) धार्मिक एकता,
- द) धार्मिक भाषा।

संदर्भ एवं अनुशंसित ग्रंथः–

1. लक्ष्मीनिधि शर्मा – धर्मदर्शन
2. हृदयनारायण मिश्र – धर्मदर्शन का परिचय
3. बी.एन.सिंह – धर्मदर्शन की रूपरेखा
4. आर.एन. व्यास – धर्मदर्शन
5. आर.पी. पाण्डेय – सं. – धर्मदर्शन
6. John Hick – Philosophy of Religion
7. बी.पी. वर्मा – धर्मदर्शन

सेमेस्टर–II
प्रश्न पत्र–IV
पाश्चात्य नीतिशास्त्र

इकाई– I अ) पाश्चात्य नीतिशास्त्र का स्वरूप एवं क्षेत्र,
ब) नीतिशास्त्र एवं आवश्यक मान्यताएं,
स) मूल्य का सिद्धांत।

इकाई– II काण्ट का नीतिशास्त्र
अ) शुभ संकल्प का स्वरूप,
ब) निरपेक्ष आदेश,
स) नैतिक सूत्र,
द) दण्ड के सिद्धांत।

इकाई– III मूर के नीतिशास्त्र
अ) नीतिशास्त्र की विषयवस्तु,
ब) शुभ की अवधारण,
स) प्रकृतिवादी दोष।

इकाई– IV अधिनीतिशास्त्र
अ) नव्य अन्तः प्रज्ञावाद,
ब) नैतिक प्रकृतिवाद,
स) मूलभूत मान्यताएं।

इकाई– V अ) संवेगवाद – एयर एवं स्टीवेंसन के विचार,
ब) परामर्शवाद – आर.एम. हेयर के विचार।

संदर्भ एवं अनुशंसित ग्रंथः–

1. लक्ष्मी सक्सेना – नीतिशास्त्र के मूल सिद्धांत
2. सुरेन्द्र वर्मा – समकालीन नैतिक प्रवृत्तियां
3. अशोक वर्मा – नीतिशास्त्र की रूपरेखा
4. हृदयनारायण मिश्रा – उन्नत नीतिशास्त्र
5. वी.पी. वर्मा – अधिनीतिशास्त्र के मुख्य सिद्धांत
6. G.E. Moore – Principia of Ethika
7. वेदप्रकाश वर्मा – नीतिशास्त्र के मूल सिद्धांत

सेमेस्टर–III
प्रश्न पत्र–I
समकालीन पाश्चात्य दर्शन (अ)

इकाई– I अ) समकालीन पाश्चात्य दर्शन की पृष्ठभूमि एवं विशेषताएं,
जी.ई. मूर– प्रत्ययवाद का खण्डन, सामान्य ज्ञान का समर्थन।

इकाई– II रसल ज्ञान के स्त्रोत– परिचायात्मक एवं वर्णनात्मक ज्ञान, तार्किक अणुवाद एवं विश्व दर्शन।

इकाई– III विटगेंस्टाइन– दार्शनिक विशलेषण, (दर्शन का स्वरूप,) भाषायी खेल, चित्र सिद्धांत।

इकाई– IV ए.जे. एयर– तत्वमीमांसा का निरसन, सत्यापन– सिद्धांत, दर्शन का कार्य।

इकाई– V अ) बर्गसाँ –
सृजनात्मक विकासवाद,
ब) हसर्रल–
फेनोमेनालॉजी,
ब) मार्क्स का द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद।

संदर्भ एवं अनुशंसित ग्रंथः–

1. बी.के.लाल – समकालीन पाश्चात्य दर्शन
2. अर्जुन मिश्र – दर्शन की मूल धाराएँ
3. सुरेन्द्र वर्मा – पाश्चात्य दर्शन की समकालीन प्रवृत्तियाँ
4. एस.एन.एल. श्रीवास्तव – दर्शन के मूल प्रश्न
5. जे.एस. श्रीवास्तव – अर्वाचीन दर्शन का वैज्ञानिक इतिहास
6. हृदयनारायण मिश्र – समकालीन दार्शनिक चिंतन

सेमेस्टर–III
प्रश्न पत्र–II
आधुनिक भारतीय दर्शन (अ)

इकाई– I आधुनिक भारतीय दर्शन की पृष्ठभूमि, विशेषताएँ, स्वामी रामकृष्ण परमहंस का अधुनिक चिंतन में योगदान।

इकाई– II स्वामी विवेकानन्द– सार्वभौम धर्म की अवधारणा एवं व्यावहारिक वेदांत, और ज्ञान, भक्ति और कर्मयोग।

इकाई– III टैगोर– ईश्वर और मानव तथा मानव धर्म,
तिलक– गीताभाष।

इकाई– IV गाँधी – सत्य, ईश्वर और मानव तथा मानव संबंधी विचार, आधुनिक सभ्यता की आलोचना।

इकाई– V श्री अरविन्द – सच्चिदानन्द की अवधारणा, विकासवाद, अतिमनस का सिद्धांत।

संदर्भ एवं अनुशंसित ग्रंथः–

1. एन.के देवराज – भारतीय दर्शन– आधुनिक भारतीय दर्शन अध्याय
2. बी.एन. नरवानी – आधुनिक भारतीय चिंतन
3. बी.के. लाल – समकालीन भारतीय दर्शन
4. एच. एन. मिश्र – समकालीन दार्शनिक चिंतन
5. अशोक वर्मा – स्वतंत्रोत्तर भारतीय दर्शन
6. ओमप्रकाश टाक – आधुनिक भारतीय चिंतन
7. रामजी सिंह – गाँधी–दर्शन–मीमांसा

सेमेस्टर–III

प्रश्न पत्र–III

सामाजिक राजनैतिक दर्शन

इकाई– I समाज दर्शन का स्वरूप, क्षेत्र, महत्व एवं विशेषताएँ, राजनीति शास्त्र का दर्शनिक स्वरूप।

इकाई– II समाज के मूल आधार, समाज की उत्पत्ति के दैवी एवं विकासवादी सिद्धांत, व्यक्ति तथा समाज में संबंध विषयक आंगिक सिद्धांत।

इकाई– III सामाजिक संस्था के रूप में परिवार, शिक्षा के उद्येश्य। न्याय, समानता तथा स्वतंत्रता सामाजिक आदर्श के रूप में।

इकाई– IV राजनैतिक आदर्श के रू॰ में समाजवाद, साम्यवाद, प्रजातंत्र, सर्वोदयावाद, फासीवाद।

इकाई– V अन्तर्राष्ट्रीय संबंध एवं सहयोग, वैज्ञानिक सोच, अहिंसा और शांति, मानव सभ्यता एवं संस्कृति।

संदर्भ एवं अनुशंसित ग्रंथः–

1. जे.एस. श्रीवास्तव – समाजदर्शन की भूमिका
2. अशोक वर्मा – प्रारंभिक समाज दर्शन
3. रमेन्द्र – समाज और राजनीति दर्शन
4. महादेव प्रसाद – समाज दर्शन
5. अशोक वर्मा – स्वतंत्रोत्तर भारतीय दर्शन
6. हृदयनारायण मिश्र – सामाजिक– राजनैतिक दर्शन
7. शिवभानु सिंह – समाज दर्शन

सेमेस्टर–III
प्रश्न पत्र–IV
पातंजल योग दर्शन

इकाई– I योग का अर्थ, चित्त का स्वरूप, चित्तवृत्तियाँ एवं चित्त की भूमियाँ।

इकाई– II पंचक्लेश, दुख का स्वरूप, चतुर्व्यूवाद, समाधि के भेद।

इकाई– III योग के बहिरंग साधन– यम, नियम, आसन, प्राणायाम और, प्रत्याहार इनके सिद्धि के फल।

इकाई– IV योग के अंतरंग साधन– धारण, ध्यान और समाधि, संयम चित्त का परिणाम, विभूति और उनके भेद, कर्मवाद।

इकाई– V सिद्धियाँ, कैवल्य का स्वरूप, योग में ईश्वर की भूमिका, वर्तमान जीवन में योग का महत्व।

अनुशंसित ग्रंथः– पातंजल योगदर्शन

1. ओमानन्द तीर्थ – पातंजल योग प्रदीप
2. राजवीर शास्त्री – योगदर्शन
3. विजयपाल शास्त्री – पातंजल योग विमर्श
4. शांति प्रकाश आत्रेय – योग मनोविज्ञान
5. श्रीराम शर्मा आचार्य – योगदर्शन

''या''

स्वामी विवेकानन्द का दर्शन

इकाई– I स्वामी विवेकानंद का जीवन परिचय, रामकृष्ण परमहंस के प्रभाव, तत्कालीन परिस्थितियों विवेकानन्द पर प्रभाव, नव्य वेदांत का सामान्य विवरण।

इकाई– II विवेकानन्द का वेदांत दर्शन : ब्रम्ह, माया, जीव, मोक्ष।

इकाई– III विवेकानन्द का धर्म दर्शन : धर्म का स्वरूप, धार्मिक सहिष्णुता, सार्वभौम धर्म, वर्तमान में धर्म की प्रसंगिकता।

इकाई– IV विवेकानंद का योग : ज्ञानयोग, कर्मयोग, भक्तियोग, राजयोग

इकाई– V विवेकानंद का समाजदर्शन : भारतीय समाज का स्वरूप, जाति एवं वर्ण व्यवस्था, सामाजिक न्याय, संस्कृति राष्ट्रवाद।

संदर्भ एवं उपयोगी ग्रंथः–

1. विवेकानंद का अवदान – विदेहात्मानन्द
2. ज्ञान, कर्म, भक्ति एवं योग – स्वामी विवेकानन्द
3. उज्जवल भारत का भविष्य – विवेकानन्द
4. विवेकानंद की जीवनी – रोम्यारोलाँ
5. विवेकानंद साहित्य – अद्वैतआश्रम नागपुर
6. Complete Wokds of Swami Vivekanand

सेमेस्टर–IV
प्रश्न पत्र–I
समकालीन पाश्चात्य दर्शन (ब)

इकाई– I अर्थक्रियावाद

विलियम जेम्स और जॉन डीवी के अर्थक्रियावाद विचार

इकाई– II गिल्बर्ट राइल–

अ) कोटि–दोष

ब) अर्थ की अवधारण

इकाई– III अ) अस्तित्ववाद की सामान्य विशेषताएँ

ब) कीर्केगार्ड– अस्तित्ववादी आंतरिकता का अर्थ एवं स्वरूप

स) अस्तित्ववादी आत्मानुभूति

इकाई– IV मार्टिन हाइडेगर–

अ) मानव अस्तित्व (डासेन)

ब) काल एवं सत

स) सत एवं शून्यता

इकाई– V जे.पी सार्त्र–

अ) स्वतंत्रता की अवधारण एवं नैतिक दायित्व

ब) मानवतावाद

अनुशंसित ग्रंथः–

1. अर्वाचीन दर्शन का वैज्ञानिक इतिहास – जे.एस. उपाध्याय
2. अस्तित्ववाद – हृदयनारायण मिश्र
3. समकालीन पाश्चात्य दर्शन – बी.के. लाल
4. समकालीन पाश्चात्य दर्शन – प्रो. नित्यानन्द मिश्र
5. समकालीन दार्शनिक चिंतन – एच.एन. मिश्र

सेमेस्टर–IV
प्रश्न पत्र–II
आधुनिक भारतीय दर्शन (ब)

इकाई– I भट्टाचार्य–
दर्शन की अवधारणा, चेतन के स्तर और माया की व्याख्या।

इकाई– II डॉ. राधकृष्णन बुद्धि एवं अंतर्ज्ञान, पूर्व एवं पश्चिम का समन्वय, मानव– आत्मा का स्वरूप।

इकाई– III एम.एन.राय–
साम्यवाद की आलोचना, नव्यमानववाद,
जे. कृष्णमूर्ति– मुक्ति के विचार।

इकाई– IV डॉ. अम्बेडकर–
सामाजिक उत्थान, सामाजिक बुराई की आलोचना,
पं. दीनदयाल उपाध्याय– एकात्म मानववाद
देवीप्रसाद चट्टोपाध्याय– भौतिकवादी विचार।

इकाई– V पं. नेहरू– वैज्ञानिक मानवतावाद,
ओशो – शिक्षा की अवधारणा
जे.पी. नारायण– सर्वोदय एवं संपूर्ण क्रांति।

अनुशंसित पुस्तकें :–

1. स्वतंत्रोत्तर भारतीय दार्शनिक चिंतन – अशोक वर्मा
2. समकालीन भारतीय दर्शन – लक्ष्मी सक्सेना
3. आधुनिक भारतीय चिंतन – बी.एन. नरवानी
4. आधुनिक भारतीय चिंतन – ओमप्रकाश टॉक
5. Contemporary Indian Philosophy – R. S. Shrivastava
6. Contemporary Indian Philosophy Series-2 – M. Chatterjee

सेमेस्टर–IV

प्रश्न पत्र–III

शंकर का अद्वैत वेदांत

इकाई– I अ) अभ्यास

ब) माया

स) अविद्या

द) विवर्त्तवाद।

इकाई– II चतुः सूत्री– ब्रह्म सूत्र के प्रथम पाद के चार सूत्रों की आचार्य शंकर द्वारा व्याख्या।

इकाई– III ब्रम्ह, आत्मा, जीव, जगत, मोक्ष।

इकाई– IV तर्कपाद

सांख्य, न्याय–वैशेषिक दर्शन की आलोचना

इकाई– V जैन एवं बौद्ध दर्शन की आलोचना

(सर्वास्तिवाद, शून्यवाद, विज्ञानवाद)

अनुशंसित ग्रंथः–

1. अद्वैत वेदांत – अर्जुन मिश्र
2. अद्वैत वेदांत – राममूर्ति शर्मा
3. चतुः सूत्री – रमाकांत त्रिपाठी
4. अद्वैतवाद वेदांत की तार्किक भूमिका – जे.एस. श्रीवास्तव
5. शंकर का ब्रम्हवाद – आर.एस.एस. नौलखा
6. Study in Early Advait Vedanta – T.M.P. Mahadevan

सेमेस्टर–IV
प्रश्न पत्र–IV
तुलनात्मक धर्म दर्शन

इकाई– I तुलनात्मक धर्मों के अध्ययन का स्वरूप, लक्ष्य एवं आवश्यकता।

इकाई– II धर्मों के मध्य समानता तथा भिन्नता, धर्मों के मिथक, कर्मकाण्ड और पूजा पद्धति का समीक्षत्क अध्ययन, अन्तर–धार्मिक संवाद धार्मिक शब्दार्थ मीमांसा।

इकाई– III मांक्ष का सिद्वांत, मोक्ष–प्राप्ति के मार्ग, धर्मों में ईश्वर तथा मानव संबंध, विश्व–दृष्टि।

इकाई– IV अमरता, अवतारवाद तथा पैगम्बरवाद के सिद्धांत, कर्म और पुनर्जन्म सिद्धांत

इकाई– V हिन्दू, ईसाई और इस्लाम र्ध्मा का सामान्य परिचय, धर्म एवं निरपेक्ष समाज विश्व धर्म की सम्भावना।

अनुशंसित पुस्तकें :– तुलनात्क धर्मदर्शन

1. तुलनात्मक धर्मदर्शन – याकुब मसीह
2. तुलनात्क धर्मदर्शन – सं. एस.पी. दुबे
3. धर्मदर्शन की रूपरेखा – बी.एन. सिंह
4. विश्लेषणात्मक धर्मदर्शन – बी.पी. वर्मा
5. Comparative Religion – K.N. Tiwari
6. Comparative Philosophy – P.T. Raju
7. विश्व धर्मदर्शन की समस्याएं – बी.एन. सिंह

''या''

गांधी दर्शन

इकाई– I मोहनदास करमचंद गांधी : जीवन परिचय, गांधी का दर्शन को प्रभावित करने वाली तत्कालीन परिस्थितियाँ एवं विभिन्न धर्म। सर्वोदय विचार।

इकाई– II गांधी दर्शन : ईश्वर का स्वरूप, जीव, जगत, और सर्व–धर्म समभाव।

इकाई– III सत्याग्रह और अहिंसा : नैतिक सामाजिक आध्यात्मिक दृष्टि से विवेचन।

इकाई– IV समाजदर्शनः वर्ण व्यवस्था, बुनियादी शिक्षा, एकादश व्रत का नैतिक तथा सामाजिक महत्व समाजवाद।

इकाई– V गांधी दर्शन की प्रासंगिकता : युद्ध और शांति, धर्म और राजनीति, साम्प्रदायिकता, हिन्दू मुस्लिम संबंध।

संदर्भ एवं उपयोगी ग्रंथः–

1. रामजी सिंह – गांधी दर्शन मीमांसा
2. गांधीजी – आत्मकथा
3. गांधीजी – हिन्दूस्वराज
4. डी.एम.दत्त – गांधीवाद दर्शन
5. रामनाथ सुमन – गांधीवाद की रूपरेखा
6. जे.बी. कृपलानी – गांधीयन थॉट